

## पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

हमारे मन के विचार जिसको हम आइडिया भी कहते हैं, जिसे हम लक्ष्य भी कहते हैं, जिसको पाने के लिए हमें खुद पर विश्वास करने की ज़रूरत है। हमें अपना मस्तिष्क खुला रखना होता है। चूंकि मस्तिष्क हमारे मन के सॉफ्टवेयर का एक हार्डवेयर है। इसलिए हमें अपने हार्डवेयर को भी सॉफ्टवेयर के हिसाब से खुला रखना पड़ता है। कई बार बहुत अच्छा सोचने के बाद भी हम उसे एक्जीक्यूट नहीं कर पाते।

हम सबके मन में असीमित शक्तियाँ हैं। हमारे पास स्मरण शक्ति और सोचने की क्षमता अद्भुत है। जिसका कोई भी विश्व का एडवांस कम्प्यूटर भी बराबरी नहीं कर सकता। हमारे अन्दर कल्पना शक्ति असीम होती है। जिसके द्वारा बहुत सारी आशाएँ और उद्देश्यों को हम साकार कर सकते हैं। हमारा मन जो सोचता है वही मस्तिष्क के द्वारा आस्था के रूप में प्रकट होकर घटना घट जाती है। इसका अर्थ यही हुआ ना कि जितने भी हमारे अन्दर विचारों का तन्त्र है वो सारा हमारे पूरे शारीरिक संरचना को बनाने में मददगार है। आज हम दवाइयाँ खाते हैं, तरह-तरह के जलपान लेते हैं, तरह तरह के रसायनों का सेवन करते हैं। लेकिन ये सेवन मात्र से ठीक नहीं होता।

इन सभी खाद्य पदार्थों को संचारित करने का कार्य मन करता है। हमारा बीमारियों के उपचार का एकमात्र स्रोत हमारा मन है, ना कि दवाइयाँ। उदाहरण के लिए - जब हमारे घुटने में दर्द होता है कभी, तो हम दवाई पेट में खाते हैं, लेकिन दर्द घुटने का ठीक होता है। इसलिए डॉक्टर कहता है कि यह घुटने के दर्द की दवाई है, तो वह ठीक हो जाता है, यह बात हमारे मन ने स्वीकार कर ली होती है। अर्थात् मन जिस बात को स्वीकार



करता जाता है, उस बात का प्रभाव पड़ता जाता है। आज होम्योपैथी इसी सिद्धान्त को लेकर कार्य करता है। उसमें सबकुछ मन द्वारा दिये गये विचारों के आधार पर होता है जिसे प्लेसबो इफेक्ट कहते हैं। इसका अर्थ यह है कि मान लो जैसे एक साधारण व्यक्ति की आँख पर पट्टी बांध दी जाए तथा

उनके पैरों में सुई चुभा दी जाए, उन्हें सिर्फ इतना कहा जाए कि तुम्हारे पैर को साँप ने काट लिया एकाएक, तो धीरे-धीरे वो उसी भाव में खोता जाएगा जैसा कि सर्प के काटने पर होता है और थोड़ी देर के बाद आप देखेंगे कि व्यक्ति मर जायेगा। तो हमारा यही सिद्धान्त हमारे जीवन पर भी तो लागू होगा ना! चलो अगर किसी विचार का प्रभाव आपकी परिस्थितियों पर, व्यक्तियों पर नहीं भी दिखता हो, तो भी घटना घट रही है। भले उसका प्रभाव देर से आये लेकिन आयेगा ज़रूर।

जब आप कोई प्रार्थना करते हैं या मेडिटेशन करते हैं, उस समय की तरंगें बहुत सकारात्मक होती हैं और बहुत तीव्रता से फैलती हैं। फैलने के आधार से ही वहाँ का वातावरण पॉवरफुल होता जाता है। तो आप भी चाहो तो अपने घर का, ऑफिस का माहौल बदल सकते हैं। बस मन को पॉज़ीटिव शक्तियों के साथ रखना होगा।

दिन दोगुना, रात चौगुना बढ़ने वाला विकारों का प्रकोप हमें पॉज़ीटिव बात नहीं सोचने देता। इसीलिए मन की शक्ति को बढ़ाने के लिए परमात्म शक्ति की बहुत आवश्यकता है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें परमात्मा का संग करना चाहिए। इससे हमारा मन और ज़्यादा शक्तिशाली हो जाएगा और हम जीवन में सफल हो जायेंगे।



**नई दिल्ली।** भारत के राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद से विभिन्न धर्म प्रतिनिधियों के मुलाकात के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. आशा दीदी तथा अन्य।



**समस्तीपुर-बिहार।** 'समाधान पायें-खुशियाँ मनायें' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राजयोगी ब्र.कु. सूर्य, मा. आबू, डी.एम. प्रणव कुमार, फैमिली जज सुभाष कुमार प्रसाद, ए.डी.एम. संजय कुमार उपाध्याय, सुधा डेयरी के एम.डी. डी.के. श्रीवास्तव तथा ब्र.कु. कृष्ण।



**हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)।** सदर विधायक हरिशंकर माहौर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.शांता। साथ हैं ब्र.कु. मीना तथा अन्य।



**चरखी दादरी-हरि।** 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत अभियान' के अन्तर्गत ए.पी.एस. स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में एक्सलेन्सी अवार्ड से ब्र.कु.प्रेमलता, ब्र.कु. पूजा, ब्र.कु.प्रियंका तथा ब्र.कु.दिनेश को सम्मानित करते हुए प्रबंधक नवीन कुमार।



**सिद्धेश्वर-ओडिशा।** 'रुरल सीनियर सिटीजन अवेयरनेस कैम्प' में अतिथियों को ईश्वरीय सौगात देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शिवकन्या, सरपंच अनिता स्वेन, प्रो.पी.सी.साहू, प्रो.के.के. पाणिग्रही, डॉ. ई. जयन्ता राव, डॉ. वी.आर.राजू, प्रो. बी.नागेश्वर राव सुबुद्धि, डॉ.सरोज मिश्रा, सीनियर सिटीजन फोरम प्रेसीडेंट रास बिहारी दास, राजीव बिशोयी तथा अन्य।



**गुलबर्गा-कर्नाटक।** सेवाकेन्द्र में आयोजित वैज्ञानिकों के 'स्नेह मिलन कार्यक्रम' के दौरान समूह चित्र में श्रीलंका, डेनमार्क, पर्सिया तथा भारत के विविध प्रान्तों के विश्व विद्यालयों के वैज्ञानिक, आई.पी.एस. शशिकुमार, ब्र.कु. विजया, ब्र.कु. प्रेम सिंह तथा अन्य।

### ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-6 (2017-2018)

1		2		3		4
			5			6
		7	8			9
	10		11		12	
13				14		
15		16				17
					18	
19		20		21		
			22			23
24						25

#### ऊपर से नीचे

- ....की दुनिया से दूर चले हम (3)
- नष्ट, ....सामने खड़ा है (3)
- संसार, जगत, जग (3)
- पाण्डवों और इन्द्र की राजधानी (4)
- आने वाले....की तुम तकदीर हो (2)
- राजा जनक की पुत्री, राम की पत्नी (3)
- भोजन, खाद्य पदार्थ (3)
- मूल, तुम बच्चे कल्पवृक्ष

की....में बैठे हो (2)

- अर्थ, अभिप्राय, उद्देश्य (4)
- आपस में कभी....नहीं करनी है, वाद-विवाद (2-2)
- शकल, रूप, बनावट (3)
- नगर, गांव का विलोम (3)
- बार-बार कहना, जपना (3)
- शत्रु, वैरी (3)
- पथ, बाट (2)
- दोस्त, सखा (2)

#### बायें से दायें

- रोजगार, नौकरी (4)
- रावण ने भारत की कितनी....कर दी है, बुरा हाल (3)
- सूर्य का पुत्र, सप्ताह में एक दिन (2)
- देवताओं का राजा (2)
- अनुमान, दुविधा (2)
- लाख, देखना (2)
- प्रजा, लोग (2)
- प्रसिद्ध, श्रेष्ठ (3)
- झरोखा, वातायन (3)

15. गीला, नम (2)

- सुगबुगाहट, पूर्व सूचना (3)
- कूप से पानी निकालने का बैलों द्वारा चलाया जाने वाला यन्त्र (3)
- शक्तिशाली, शूरवीर (4)
- एक आवश्यक सब्जी जो गोल लाल और सब्जी का स्वाद है (4)
- जीवन-निर्वाह का ढंग, आचरण (3-3)
- रथ पर सवारी करने वाली आत्मा.... है शरीर रथ है (2)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन।